हिंदुस्तान कानपुर 21/08/2823

धान की तरह खेतों में रोपे जाएंगे अब आलू के पौधे

सीएसए

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। धान की तरह अब खेतों में आलू के पौधों की भी रोपाई की जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र की नई तकनीक के आधार पर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में टिश्यू कल्चर से आलू की पौध तैयार की जाएगी। जिसे किसान सीधे खेतों में रोपाई कर सकेंगे। इस तकनीक से बीज बुआई के समय लगने वाली लागत में भी 75 फीसदी कमी आएगी। यह जानकारी विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने दी।

विवि के कुलपति ने रविवार को अपने कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र के एशियन रीजनल डायरेक्टर डॉ. समरेंदु मोहंती, ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली के गौरव मिश्रा तथा लाइवलीहुड फंड के अमित कुमार सिंह के साथ बैठक की। डॉ. मोहंती ने बताया कि पोटैटो एपीकल सूट तकनीक से खर्च को कम किया जा सकता है।

डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि इसके लिए विवि में एक सेंटर फॉर एक्सीलेंस भी स्थापित किया जाएगा। टिश्यू कल्चर से तैयार पौधों को विवि तैयार करेगा। इस मौके पर डॉ. पीके सिंह, डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. पीके उपाध्यायस डॉ. खलील खान आदि मौजूद रहे।

n in to edit and save changes to this file.

अमर भारती
एक उम्मीद
RNI No. UPHIN/2011/40455 www.amarbharti.com सोमवार, 21 अगस्त 2023

पशुओं को गलाघोटू रोग से बचाने को लगा टीकाकरण शिविर

कानपुर, अमर भारती। सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा संचालित निकरा परियोजना के अंतर्गत गांव औरंगाबाद में डॉक्टर अरुण सिंह के द्वारा पशु टीकाकरण शिविर लगवाया गया। जिसमें लगभग 250 पशुओं का टीकाकरण पशुपालन विभाग के सहयोग से कराया गया। इसमें पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बताया कि वर्षा ऋतु में पहले पशुओं को गला घोटू रोग का टीकाकरण अवश्य करवा देना चाहिए। जिससे हमारे कीमती जानवर को गला घोटू रोग से प्रभावित होने के पूर्व बचाया जा सके। साथ ही डॉ शशिकांत के द्वारा किसानों को अंतः एवं वाह्य परजीवीयों का नियंत्रण विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। इसके अंतर्गत किसानों को बताया गया।

पहल

पांच से छह किलो पौध से एक हेक्टेयर में हो सकेगी पैदावार

सीएसए में टिश्यू कल्चर से तैयार होगी आलू की पौध

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के टिश्यू कल्चर की मदद से आलू की पौध तैयार की जाएगी। इस पौध से किसान सीधे खेतों में रोपाई कर सकेंगे। पांच से छह किलो आलू की मदद से एक हेक्टेयर में आलू की पैदावार हो सकेगी। इससे बीज बुआई के समय लगने वाली लागत में भी 75 फीसदी कमी आएगी। यह जानकारी विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने दी।

रविवार को कुलपति ने अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के एशियन रीजनल डायरेक्टर डॉ. समरेंदु मोहंती, ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली के गौरव मिश्रा तथा लाइवलीहुड फंड के अमित कुमार सिंह के साथ बैठक की। घोषणा की कि विवि में एक सेंटर फॉर एक्सीलेंस भी स्थापित किया जाएगा। डॉ. मोहंती ने बताया कि पोटैटो एपीकल सूट तकनीक से खर्च को कम किया जा सकता है। अभी तक आलू के बीज सिर्फ पंजाब व उप्र में तैयार होते हैं। इससे अन्य आलू की पैदावार वाले प्रदेशों को काफी अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है। एक हेक्टेयर खेत में 25 से 30 क्विंटल आलू बीज के रूप में लगता है। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम चरण में विवि की ओर से करीब 10 से 20 एकड़ में आलू की खेती करने के लिए टिश्यू कल्चर से आलू के पौधे तैयार किए जाएंगे। इस मौके पर डॉ. पीके सिंह, डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. खलील खान आदि मौजूद रहे।

डॉ. समरेंदु मोहंती के साथ कुलपति ने की बैठक।

अमर उजाला कानपुर 21/08/2023

आलू की खेती को और अधिक लाभकारी बनाने हेतु सीएसए में होंगे नए नवाचार

दि ग्राम टुडे, कानपुर।(संजय मौर्य, मीनाक्षी सोनकर)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि आलू की खेती को और अधिक लाभकारी बनाने के लिए आज अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र के एशियन रीजनल डायरेक्टर डॉक्टर समरेंदु मोहंती, ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली के गौरव मिश्रा तथा लाइवलीहुड फंड के अमित कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय के उच्च अधिकारियों के साथ एक ब्रेन स्टॉर्मिंग बैठक की गई। जिसमें आलू की खेती को लाभकारी बनाने के लिए कम लागत तकनीकी के माध्यम से खेती की लागत कम कर उनकी आय बढ़ाने के बारे में गहन विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर समरेंदु मोहंती ने बताया कि आलू की खेती में प्रयुक्त होने वाले बीजों पर 70% व्यय पोटैटो एपीकल सूट की सीधी बिजाई कर कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा यह तकनीकी भारत के कई राज्यों में तथा उत्तर प्रदेश के अलीगढ़, लखीमपुर खीरी, बहराइच इत्यादि जनपदों में प्रभावी सिद्ध हो रहा है। कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कार्य क्षेत्र में आने वाले जनपदों हेतु एम ओ यू कर इस तकनीकी का बृहद स्तर पर प्रचार प्रसार करने की योजना बनाई जा रही है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इस तकनीकी के विकास एवं प्रदर्शन हेतु विश्वविद्यालय भूमि मुहैया कराएगा। तथा इन तकनीकियों के संबंध में वृहद स्तर पर किसान कौशल प्रशिक्षण कर तकनीकी को उनके खेतों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से आलू खेती की लागत में कमी आएगी तथा किसानों की आय में वृद्धि होगी। जिससे किसान स्वावलंबी बन आत्मनिर्भर होंगे तथा देश एवं प्रदेश के विकास में योगदान देंगे। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पीके सिंह, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य, कुलसचिव डॉक्टर पी के उपाध्यक्ष सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 53 कानपुर, सोमवार 21 अगस्त 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

आलू की खेती को और अधिक लाभकारी बनाने हेतु सीएसए में होंगे नए नवाचार

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि आलू की खेती को और अधिक लाभकारी बनाने के लिए आज अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र के एशियन रीजनल डायरेक्टर डॉक्टर समरेंदु मोहंती, ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली के श्री गौरव मिश्रा तथा लाइवलीहुड फंड के श्री अमित कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय के उच्च अधिकारियों के साथ एक ब्रेन स्टॉर्मिंग बैठक की गई। जिसमें आलू की खेती को लाभकारी बनाने के लिए कम लागत तकनीकी के माध्यम से खेती की लागत कम कर उनकी आय बढ़ाने के बारे में गहन विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर समरेंदु मोहंती ने बताया कि आलू

की खेती में प्रयुक्त होने वाले बीजों पर 70ब्र व्यय पोटैटो एपीकल सूट की सीधी बिजाई कर कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा यह तकनीकी भारत के कई राज्यों में तथा उत्तर प्रदेश के अलीगढ़, लखीमपुर खीरी, बहराइच इत्यादि जनपदों में प्रभावी सिद्ध हो रहा है। कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कार्य क्षेत्र में आने वाले जनपदों हेतु एम ओ यू कर इस तकनीकी का बृहद स्तर पर प्रचार प्रसार करने की योजना बनाई जा रही है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इस तकनीकी के विकास एवं प्रदर्शन हेतु विश्वविद्यालय भूमि मुहैया कराएगा। तथा इन तकनीकियों के संबंध में वृहद स्तर पर किसान कौशल प्रशिक्षण कर तकनीकी को उनके खेतों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से आलू खेती की लागत में कमी आएगी तथा किसानों की आय में वृद्धि होगी। जिससे किसान स्वावलंबी बन आत्मनिर्भर होंगे तथा देश एवं प्रदेश के विकास में योगदान देंगे। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पीके सिंह, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य, कुलसचिव डॉक्टर पी के उपाध्यक्ष सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पशुओं को गलाघोटू रोग से बचाने हेतु केवीके ने लगाया टीकाकरण शिविर

दि ग्राम टुडे, कानपुर। (संजय मौर्य,रितेश शर्मा)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा संचालित निकरा परियोजना के अंतर्गत गांव औरंगाबाद में डॉक्टर अरुण सिंह के द्वारा पशु टीकाकरण शिविर लगवाया गया।जिसमें लगभग 250 पशुओं का टीकाकरण पशुपालन विभाग के सहयोग से कराया गया। इसमें पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बताया कि वर्षा ऋतु में पहले पशुओं को गला घोटू रोग का टीकाकरण अवश्य करवा देना चाहिए।जिससे हमारे कीमती जानवर को गला घोटू रोग से प्रभावित होने के पूर्व बचाया जा सके।साथ ही डॉ शशिकांत के द्वारा किसानों को अंतः एवं वाह्य परजीवीयों का नियंत्रण विषय पर प्रशिक्षण दिया गया।इसके अंतर्गत किसानों को बताया गया कि पशु के अंदर पेट में कीड़े हो जाते हैं जिसकी वजह से पशु का दूध उत्पादन क्षमता प्रजनन क्षमता एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है।जिससे किसानों का काफी नुकसान होता है। इसको रोकने के लिए काशीपुर के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ श्याम दीक्षित ने बताया कि प्रत्येक 3 महीने में पशुपालक भाई अपने पशुओं को पेट के कीड़ा की दवा देते रहें तो उनका पशु हमेशा स्वस्थ बना रहेगा।इस कार्यक्रम को आयोजित करने वाले डॉक्टर अरुण सिंह ने बताया कि इस योजना को ग्राम औरंगाबाद में पूर्ण रुप से लागू किया गया है। इस मौके पर गांव के लगभग 50 लोग मौजूद रहे।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

228 लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, सोमवार, 21 अगस्त, 2023 पृष्ठ: 8 मूल्य:

पशुओं को गलाघोटू रोग से बचाने हेतु केवीके ने लगाया टीकाकरण शिविर

अनवर अशरफ । कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा संचालित निकरा परियोजना के अंतर्गत गांव औरंगाबाद में डॉक्टर अरुण सिंह के द्वारा पशु टीकाकरण शिविर लगवाया गया।जिसमें लगभग 250 पशुओं का टीकाकरण पशुपालन विभाग के सहयोग से कराया गया। इसमें पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बताया कि वर्षा ऋतु में पहले पशुओं को गला घोटू रोग का टीकाकरण अवश्य करवा देना चाहिए।जिससे हमारे कीमती जानवर को गला घोटू रोग से प्रभावित होने के पूर्व बचाया जा सके।साथ ही डॉ शशिकांत के द्वारा किसानों को अंतरू एवं वाह्य परजीवीयों का नियंत्रण विषय पर प्रशिक्षण दिया गया।इसके अंतर्गत किसानों को बताया गया कि पशु के अंदर पेट में कीड़े हो जाते हैं जिसकी वजह से पशु का दूध उत्पादन क्षमता प्रजनन क्षमता एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है।जिससे किसानों का काफी नुकसान होता है। इसको रोकने के लिए काशीपुर के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ श्याम दीक्षित ने बताया कि प्रत्येक 3 महीने में पशुपालक भाई अपने पशुओं को पेट के कीड़ा की दवा देते रहें तो उनका पशु हमेशा स्वस्थ बना रहेगा।इस कार्यक्रम को आयोजित करने वाले डॉक्टर अरुण सिंह ने बताया कि इस योजना को ग्राम औरंगाबाद में पूर्ण रुप से लागू किया गया है।इस मौके पर गांव के लगभग 50 लोग मौजूद रहे।

वर्ष-17 अंक-229 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, सोमवार 21 अगस्त 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

आलू की खेती को और अधिक लाभकारी बनाने हेतु सीएसए में होंगे नए नवाचार

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि आलू की खेती को और अधिक लाभकारी बनाने के लिए आज अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र के एशियन रीजनल डायरेक्टर डॉक्टर समरेंदु मोहंती, ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली के श्री गौरव मिश्रा तथा लाइवलीहुड फंड के श्री अमित कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय के उच्च अधिकारियों के साथ एक ब्रेन स्टॉर्मिंग बैठक की गई। जिसमें आलू की खेती को लाभकारी बनाने के लिए कम लागत तकनीकी के माध्यम से खेती की लागत कम कर उनकी आय बढ़ाने के बारे में गहन विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर समरेंदु मोहंती ने बताया कि आलू की खेती में प्रयुक्त होने वाले बीजों पर 70 प्रतिशत व्यय पोटैटो एपीकल सूट की सीधी बिजाई कर कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा यह तकनीकी भारत के कई राज्यों में तथा उत्तर प्रदेश के अलीगढ़, लखीमपुर खीरी, बहराइच इत्यादि जनपदों में प्रभावी सिद्ध हो रहा है। कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कार्य क्षेत्र में आने वाले जनपदों हेतु एम ओ यू कर इस तकनीकी का बृहद स्तर पर प्रचार प्रसार करने की योजना बनाई जा रही है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इस तकनीकी के विकास एवं प्रदर्शन हेतु विश्वविद्यालय भूमि मुहैया कराएगा। तथा इन तकनीकियों के संबंध में वृहद स्तर पर किसान कौशल प्रशिक्षण कर तकनीकी को उनके खेतों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से आलू खेती की लागत में कमी आएगी तथा किसानों की आय में वृद्धि होगी। जिससे किसान स्वावलंबी बन आत्मनिर्भर होंगे तथा देश एवं प्रदेश के विकास में योगदान देंगे। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पीके सिंह, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य, कुलसचिव डॉक्टर पी के उपाध्यक्ष सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

email: shahardayaranews@gmail.co

दैनिक

शहर दायरा न्यूज़

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 9 अंक: 13 | कानपुर, सोमवार 21 अगस्त 2023 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00

पशुओं को गलाघोटू रोग से बचाने हेतु केवीके ने लगाया टीकाकरण शिविर

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा संचालित निकरा परियोजना के अंतर्गत गांव औरंगाबाद में डॉक्टर अरुण सिंह के द्वारा पशु टीकाकरण शिविर लगवाया गया जिसमें लगभग 250 पशुओं का टीकाकरण पशुपालन विभाग के सहयोग से कराया गया इसमें पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बताया कि वर्षा ऋतु में पहले पशुओं को गला घोटू रोग का टीकाकरण अवश्य करवा देना चाहिए जिससे हमारे कीमती जानवर को गला घोटू रोग से प्रभावित होने के पूर्व बचाया जा सके साथ ही डॉ शशिकांत के द्वारा किसानों को अंत- एवं वाह्य परजीवियों का नियंत्रण विषय पर प्रशिक्षण दिया गया।इसके अंतर्गत किसानों को बताया गया कि पशु के अंदर पेट में कीड़े हो जाते हैं जिसकी वजह से पशु का दूध उत्पादन क्षमता प्रजनन क्षमता एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है।जिससे किसानों का काफी नुकसान होता है इसको रोकने के लिए काशीपुर के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ श्याम दीक्षित ने बताया कि प्रत्येक 3 महीने में पशुपालक भाई अपने पशुओं को पेट के कीड़ा की दवा देते रहें तो उनका पशु हमेशा स्वस्थ बना रहेगा।इस कार्यक्रम को आयोजित करने वाले डॉक्टर अरुण सिंह ने बताया कि इस योजना को ग्राम औरंगाबाद में पूर्ण रुप से लागू किया गया है।इस मौके पर गांव के लगभग 50 लोग मौजूद रहे।

सीएसए कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा पशु टीकाकरण शिविर का हुआ आयोजन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह के निर्देश क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा संचालित निकरा परियोजना के अंतर्गत गांव औरंगाबाद में बीते दिन रविवार को डॉ.अरुण सिंह के द्वारा पशु टीकाकरण शिविर लगवाया गया।जिसमें लगभग 250 पशुओं का टीकाकरण पशुपालन विभाग के सहयोग से कराया गया। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ.शशिकांत ने बताया कि वर्षा ऋतु में पहले पशुओं को गला घोटू रोग का टीकाकरण अवश्य करवा देना चाहिए।जिससे उन्हें गला घोटू रोग से प्रभावित होने के पूर्व बचाया जा सके। इस अवसर पर किसानों को अंतः एवं वाह्य परजीवीयों का नियंत्रण विषय पर प्रशिक्षण दिया गया।काशीपुर के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ.श्याम दीक्षित ने बताया कि प्रत्येक 3 महीने में पशुपालक अपने पशुओं को पेट के कीड़ा की दवा देते रहें तो उनका पशु हमेशा स्वस्थ बना रहेगा। कार्यक्रम आयोजक डॉ.अरुण सिंह ने बताया कि इस योजना को ग्राम औरंगाबाद में पूर्ण रुप से लागू किया गया है। शिविर में गांव के लगभग 50 लोग मौजूद रहे।

n in to edit and save changes to this file.

अमर भारती
एक उम्मीद
www.amarbharti.com

आलू की खेती लाभकारी बनाने के लिए सीएसए में होंगे नए नवाचार

कानपुर, अमर भारती। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि आलू की खेती को और अधिक लाभकारी बनाने के लिए आज अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र के एशियन रीजनल डायरेक्टर डॉक्टर समरेंदु मोहंती, ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली के श्री गौरव मिश्रा तथा लाइवलीहुड फंड के श्री अमित कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय के उच्च अधिकारियों के साथ एक ब्रेन स्टॉर्मिंग बैठक की गई। जिसमें आलू की खेती को लाभकारी बनाने के लिए कम लागत तकनीकी के माध्यम से खेती की लागत कम कर उनकी आय बढ़ाने के बारे में गहन विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर समरेंदु मोहंती ने बताया कि आलू की खेती में प्रयुक्त होने वाले बीजों पर 70प्रतिशत व्यय पोटैटो एपीकल सूट की सीधी बिजाई कर कम किया जा सकता है।

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 21/08/2023

एपीकल सीडलिंग से आलू के बीज की घटेगी लागत

सीएसए में संडे को आईपीसी के अफसरों संग हुई ब्रेन स्टार्मिंग मीटिंग

kanpur@inext.co.in

KANPUR (20 Aug): आलू की खेती करने वाले किसानों के लिए गुड न्यूज है. जल्द ही बुवाई में लगने वाले बीज की लागत को 90 परसेंट तक कम किया जा सकेगा. इसको सीएसए और इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर (आईपीसी) मिलकर करेगा.

लैब में तैयार होंगे पौधे

संडे को आईपीसी के एशिया रीजनल डायरेक्टर डॉ. समरेंदु मोहंती ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि आलू का बीज पंजाब से आता है. एक हेक्टेयर में लगने वाले बीज की कीमत 75000 के करीब होती है. जबकि टिश्यू कल्चर लैब में एपीकल सीडलिंग से पौधे तैयार करके एक हेक्टेयर में बोने में मात्र पांच हजार रुपए खर्च आएगा.

आईपीसी के साथ एमओयू

इस काम में सीएसए की लैब में पौधे तैयार होंगे, जिनको किसानों तक पहुंचाया जाएगा. सीएसए वीसी डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि किसानों को समृद्ध बनाने के लिए आईपीसी के साथ एमओयू किया जाएगा. जिसको लेकर आलू की खेती करने वाले और महिला किसानों पर काम होना है.

इस मौके पर सीएसए कैंपस में सीएसए के अफसरों, ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन और लाइवलीहुड फंड के प्रतिनिधियों के साथ एक ब्रेन स्टॉर्मिंग मीटिंग की गई. सीएसए के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इस नई तकनीकी के विकास एवं प्रदर्शन के लिए सीएसए की ओर से लैंड मुहैया कराएगा. जिसका फायदा लोगों को मिलेगा.

महिला किसानों को समृद्ध बनाने पर जोर

ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया के गौरव मिश्रा ने बताया कि उनका एनजीओ महिला किसानों को समृद्ध बनाने के लिए काम करेगा. लाइवलीहुड फंड के अमित ने बताया कि वह सीएसए के साथ मिलकर क्लाइमेट चेंजमेंट से नुकसानों को बचाने पर काम करेंगे. इस मौके पर डायरेक्टर रिसर्च डॉ. पीके सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. पीके उपाध्यक्ष आदि मौजूद रहे.

अंक-165 कानपुर, सोमवार 21 अगस्त 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, महोबा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

आलू की खेती को और अधिक लाभकारी बनाने हेतु सीएसए में होंगे नए नवाचार

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि आलू की खेती को और अधिक लाभकारी बनाने के लिए आज अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र के एशियन रीजनल डायरेक्टर डॉक्टर समरेंदु मोहंती, ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली के गौरव मिश्रा तथा लाइवलीहुड फंड के श्री अमित कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय के उच्च अधिकारियों के साथ एक ब्रेन स्टॉर्मिंग बैठक की गई। जिसमें आलू की खेती को लाभकारी बनाने के लिए कम लागत तकनीकी के माध्यम से खेती की

लागत कम कर उनकी आय बढ़ाने के बारे में गहन विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर समरेंदु मोहंती ने बताया कि आलू की खेती में प्रयुक्त होने वाले बीजों पर 70 प्रतिशत व्यय पोटैटो एपीकल सूट की सीधी बिजाई कर कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा यह तकनीकी भारत के कई राज्यों में तथा उत्तर प्रदेश के अलीगढ़, लखीमपुर खीरी, बहराइच इत्यादि जनपदों में प्रभावी सिद्ध हो रहा है। कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कार्य क्षेत्र में आने वाले जनपदों हेतु एम ओ यू कर इस तकनीकी का बृहद स्तर पर प्रचार प्रसार करने की योजना बनाई जा रही है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इस तकनीकी के विकास एवं प्रदर्शन हेतु विश्वविद्यालय भूमि मुहैया कराएगा। तथा इन तकनीकियों के संबंध में वृहद स्तर पर किसान कौशल प्रशिक्षण कर तकनीकी को उनके खेतों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से आलू खेती की लागत में कमी आएगी तथा किसानों की आय में वृद्धि होगी। जिससे किसान स्वावलंबी बन आत्मनिर्भर होंगे तथा देश एवं प्रदेश के विकास में योगदान देंगे। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पीके सिंह, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य, कुलसचिव डॉक्टर पी के उपाध्यक्ष सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

धान फसल में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण संपन्न

अनिल मिश्रा (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा आज दिनांक 19 अगस्त 2023 को एससी एसपी योजना के अंतर्गत ग्राम सहतावन पुरवा में धान फसल में पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का सफल आयोजन कराया गया जिसका आज समापन हुआ कार्यक्रम में कृषकों से वार्ता करते हुए केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया की धान की अधिक पैदावार के लिये एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन एक महत्वपूर्ण उपाय हैं, जिसमें रसायनिक उर्वरक, सूक्ष्म पोषक तत्व, जैविक उर्वरक, हरी–नीली शैवाल, गोबर की खाद एवं हरी खाद आदि का समुचित उपयोग किया जाता हैं धान के उत्पादन में मुख्य पोषक तत्व नाइट्रोजन (नत्रजन), फास्फोरस (स्फुर), पोटाश, जिंक (जस्ता) आदि महत्वपूर्ण हैं जिनकी भरपाई किसानों द्वारा रसायनिक उर्वरकों की मदद से की जाती हैं, किंतु एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन सभी प्रकार के आदानों को आवश्यकता के अनुसार उपयोग करके को बढ़ावा देता हैं मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने, मृदा की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाने एवं लाभकारी सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ाने के लिये एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम में डॉ खलील खान मृदा वैज्ञानिक ने जानकारी दी कि धान की फसल के लिये 100 से 120 किग्रा नाइट्रोजन, 50–60 किग्रा फास्फोरस एवं 30–50 किग्राध्हैक्टेयर पोटाश की मात्रा की सिफारिश की जाती है। खेत तैयार करते समय खेत में सड़ी हुई गोबर खाद अथवा कम्पोस्ट खाद का 10–12 टन का प्रयोग किया जाये तो इससे नाइट्रोजन का अधिक उपयोग हो पाता हैं एवं पोषक तत्व प्राप्त होने के साथ–साथ मृदा का भौतिक स्तर में भी सुधार होता हैं इसके अलावा धान में कुछ सूक्ष्म पोषक तत्वों का भी महत्व है जैसे जिंक यानी जस्ता और आइरन यानी लौह ऐसी मृदा जिसमें जस्ते की कमी पाई जाती है उनमें जस्ते की कमी के कारण फसल में कल्ले फूटने में कमी, पौधों में असमान वृद्धि, बौने पौधों की पत्तियों में भूरे रंग के धब्बे पडना एवं नयी पत्तियों की निचली सतह की मिडरिव में हरिमाहीनता पत्तियों का अपेक्षाकृत सकरा होना, आदि लक्षण दिखाई देते हैं। मृदा में जिंक (जस्ते) की इस कमी को पूरा करने के लिये जिंक सल्फेट की 25 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हेक्टेयर के हिसाब से प्रयोग करना चाहिए लोहे की कमी को क्लोरोसिस के नाम से जाना जाता है लोहे की कमी को दूर करने के लिये 1 कि.ग्रा. फेरस सल्फेट को 100 ली. पानी में घोल कर सात दिनों में एक बार छिड़काव करना चाहिए। ढैचा की फसल से तैयार की गई हरी खाद का उपयोग भी धान की फसल में लोह तत्व की पूर्ति करता है। 0.2 टनध्हैक्टेयर जिप्सम पायरायट देने से लोहे एवं गंधक की आवश्यकता पूरी होती हैं कार्यक्रम में छुन्ना लाल, विजय पाल, कन्हैया लाल, जिलेदार समेत 50 कृषको एवम महिलाओं ने प्रतिभाग किया कार्यक्रम में डॉ निमिषा उपस्थित रही।

email: shahardayaranews@gmail.co

दैनिक

शहर दायरा न्यूज

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 9 अंक: 13 | कानपुर, सोमवार 21 अगस्त 2023 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00

आलू की खेती को और अधिक लाभकारी बनाने हेतु सीएसए में होंगे नए नवाचार

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि आलू की खेती को और अधिक लाभकारी बनाने के लिए आज अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र के एशियन रीजनल डायरेक्टर डॉक्टर समरेंदु मोहंती, ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली के श्री गौरव मिश्रा तथा लाइवलीहुड फंड के श्री अमित कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय के उच्च अधिकारियों के साथ एक ब्रेन स्टॉर्मिंग बैठक की गई जिसमें आलू की खेती को लाभकारी बनाने के लिए कम लागत तकनीकी के माध्यम से खेती की लागत कम कर उनकी आय बढ़ाने के बारे में गहन विचार विमर्श किया गया इस अवसर पर डॉक्टर समरेंदु मोहंती ने बताया कि आलू की खेती में प्रयुक्त होने वाले बीजों पर 70ब्र व्यय पोटैटो एपीकल सूट की सीधी बिजाई कर कम किया जा सकता है?उन्होंने कहा यह तकनीकी भारत के कई राज्यों में तथा उत्तर प्रदेश के अलीगढ़, लखीमपुर खीरी, बहराइच इत्यादि जनपदों में प्रभावी सिद्ध हो रहा है कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कार्य क्षेत्र में आने वाले जनपदों हेतु एम ओ यू कर इस तकनीकी का बृहद स्तर पर प्रचार प्रसार करने की योजना बनाई जा रही है विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इस तकनीकी के विकास एवं प्रदर्शन हेतु विश्वविद्यालय भूमि मुहैया कराएगा तथा इन तकनीकियों के संबंध में वृहद स्तर पर किसान कौशल प्रशिक्षण कर तकनीकी को उनके खेतों तक पहुंचाया जाएगा उन्होंने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से आलू खेती की लागत में कमी आएगी तथा किसानों की आय में वृद्धि होगी जिससे किसान स्वावलंबी बन आत्मनिर्भर होंगे तथा देश एवं प्रदेश के विकास में योगदान देंगे। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पीके सिंह, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य, कुलसचिव डॉक्टर पी के उपाध्यक्ष सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।